Paper - IV

MT

Seat No. | | | | | | | |

2017 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - IV

Time : 2 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 40**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

12 अंक

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

1) i) **उचित क्रम लगाइए ।** **1**

(1) क्यू आगे तो सरक रहा था।

(2) मुझे खिड़की तक पहुँचते दस घंटे ही लगे।

(3) मैं दिल्लीयात्रा के आरक्षण के लिए स्टेशन गया।

ii) **परिच्छेद द्वारा आपको मिली हुई प्रेरणा ।** **1**

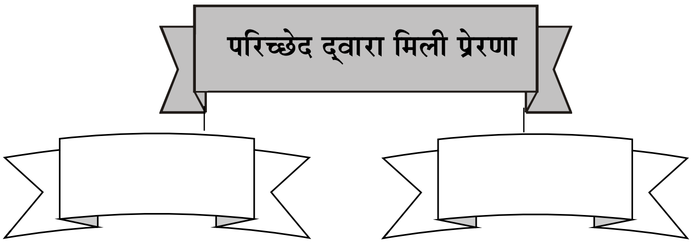

मैं दिल्लीयात्रा के आरक्षण के लिए स्टेशन गया । आरक्षणखिड़की पर एक लंबी कतार थी । मैं उसमें जाकर खड़ा हो गया । कतार शेड के बाहर चली गई थी मेरे सिर पर सूरज था । मई महीने का सूरज जो नौ बजे ही बारह बजे की आग उँड़ेल रहा था ।

क्यू आगे तो सरक रहा था पर गरीब आदमी की आमदनी की गति से ।

मुझे लगा मैं क्यू में नहीं हूँ उस सड़क पर हूँ जो दिल्ली जाती है जिसपर मैं चींटी की चाल चल

रहा हूँ । रेलगाड़ी दिल्ली अठारह घंटे में पहुँचती है, मैं भी आरक्षणखिड़की तक अठारह घंटे में ही पहुँचूँ । और यह सामान्य बात है, क्योंकि पड़ोसी ने मुझे बताया था कि लोग एक घंटे की यात्रा के लिए दस - दस घंटे आरक्षण की कतार में खड़े होते हैं ।

मुझे खिड़की तक पहुँचते दस घंटे ही लगे । सुबह नौ को आया था, शाम को सात बजे पहुँचा । खिड़की में पैसों के साथ हाथ डाला तो लगा आखिर अपनी मंजिल तक आ ही गया । तभी अंदर से सुनने को मिला, ''मिस्टर कल आइए । आज अब समय समाप्त हो गया है ।''

''देखिए, मैं सुबह से खड़ा हूँ ।''

''बड़ा उपकार किया आपने मुझपर ।'' इतना कह खिड़की वाले ने मेरा हाथ बाहर धकेला और खिड़की बंद कर ली । दूसरे दिन मैं सुबह पाँच बजे पहुँचा । कुछ लोग तब भी अपना नंबर लगाए जमे थे । वे बिस्तर सहित आए थे और रात वहीं गुजारी थी ।

दूसरे दिन मुझे आरक्षण मिल गया, तथापि चार घंटे की कवायत इस दिन भी करनी पड़ी ।

मुझे लगा मैंने लड़ाई जीत ली । दिल्ली फतह कर ली ।

2) i) **निम्नलिखित शब्दों के लिए परिच्छेद में आए हुए समानार्थी शब्द लिखिए ।** **1**

(1) पंक्ति (2) साधारण

ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिए विलोम शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए ।** **1**

(1) अमीर × (2) रात ×

3) **'अपनी अविस्मरणीय यात्रा' पर अपने विचार 6 से 8 वाक्यों में लिखिए ।** **2**

प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

1) i) **उचित पर्याय ढूँढ़कर लिखिए ।** **1**

(1) **राजा सोचने लगा-ऐसा मनुष्य कौन है जो बता सके।**

(क) उसके ज्ञान को

(ख) उसके स्वास्थ्य को

(ग) उसके दोषों को

(2) **मगर कहीं कोई ऐसा आदमी न मिला ....**

(क) जो उसकी कमी बताए।

(ख) जो उसके अवगुणों को बता सके।

(ग) जो उसकी प्रशंसा कर सके।

ii) **परिच्छेद पढ़कर उत्तर लिखिए ।** **1**

राजा की न्यायपरायणता का प्रजा पर प्रभाव-

(1) .... (2) ....

वाराणसी में ब्रह्मदत्त नामक राजा रहता था ।

वह अपने मंत्रियों की सलाह से धर्म और न्याय के साथ प्रजा का पालन करता था ।

राजा की न्यायपरायणता का प्रजा पर इतना असर हुआ कि न्यायालयों में मुकदमों का आना बंद हो गया । न्यायालयों में ताले लग गए ।

राजा ने सोचा - यह ठीक नहीं, मुझे अपने दुर्गुणों का पता लगाना चाहिए ।

राजा सोचने लगा - ऐसा मनुष्य कौन है जो मेरे दोषों को बता सके । पहले वह अपने महल में गया, मगर उसने वहाँ अपनी प्रशंसा ही सुनी । राजा ने समझा कि ये लोग शायद डर के कारण मेरे दोष न कहते हों, अतएव वह महल के बाहर रहने वालों के पास आया परंतु यहीं भी वही बात हुई । फिर राजा ने नगर में पता लगाया । नगर के चारों दरवाजों पर और आस - पास के गाँवों में तलाश की । मगर कहीं कोई ऐसा आदमी न मिला, जो उसके अवगुणों को बता सके ।

उसने सोचा - अन्यत्र भ्रमण करना चाहिए ।

2) i) **परिच्छेद से पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

(1) बुराइयों → [ ]

(2) खोज → [ ]

ii) **सही शब्द तैयार कीजिए ।** **1**

(1) | गु | णों | व | अ | = [ ]

(2) | शं | प्र | सा | = [ ]

3) **'न्यायप्रणाली' पर 6 से 8 वाक्यों में अपने विचार प्रकट कीजिए ।** **2**

विभाग 2 - पद्य

10 अंक

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(5)**

1) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

नदी की चाल -

(1) .... (2) ....

ii) **समझकर लिखिए ।** **1**

(1) क्षीण जलधारा को नदी ऐसे बचाती है -

(2) नदी तोड़ देती है -

बालू में छिपती - छिपाती,
क्षीण जलधारा को बचाती,
बरखा के मेघ बुलाती,
मेघों की बूँदों को
एक - एक जोड़ती ।
उबलती - उछलती,
बल खाती - लहराती,
अपने ही किनारों के
सीमाबंधन तोड़ती,
दूर - दूर तक जाकर
बंजर धरती को ।
उर्वर बनाती ।

2) विरुद्धार्थी शब्द लिखिए । **1**

i) उर्वर × ii) धरती ×

3) 'नदी का विकराल रूप' के संबंध में 6 से 8 पंक्तियाँ लिखिए । **2**

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(5)**

1) उत्तर लिखिए । **2**

स्वतंत्रता दिवस का दृश्य -

i) .... ii) ....
iii) .... iv) ....

डगर - डगर में है उजियाली,
जगर - मगर फैली दीवाली ।
चहल - पहल है, खेल - तमाशे,
चमक रही है मुख पर लाली ।
सूरज - चाँद उतर आए ज्यों,
उनको भी त्योहार भा गया !
नाचो, गाओ धूम मचाओ,
फिर प्यारा त्योहार आ गया ।

2) विरुद्धार्थी शब्द लिखिए । **1**

i) उतरना × ii) जाना ×

3) 'होली के त्योहार' पर अपने विचार 6 से 8 वाक्यों में लिखिए । **2**

विभाग 3 - व्याकरण **6 अंक**

प्र.3. पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) मानकवर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द पहचानिए । **1**

i) दूरदर्शी, दुरदर्शी, दुरदर्शि -

ii) कार्शाण, कार्षाण, कार्षापण -

2) निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए । **1**

हाँ !

3) i) काल पहचानिए । **1**

आज देश ऐसे ही नौजवानों को चाहता है ।

ii) काल परिवर्तन कीजिए । **1**

कोलकाता उनका कार्यक्षेत्र बनेगा । (सामान्य भूतकाल)

4) i) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए । **1**

(अभिभूत हो उठना, लहूलुहान होना , गुम - सुम बैठना)

वक्ता की बातों से सब लोग प्रभावित हो गए ।

ii) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । **1**

टूट पड़ना -

विभाग 4 - रचना **12 अंक**

प्र.4. 1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **4**

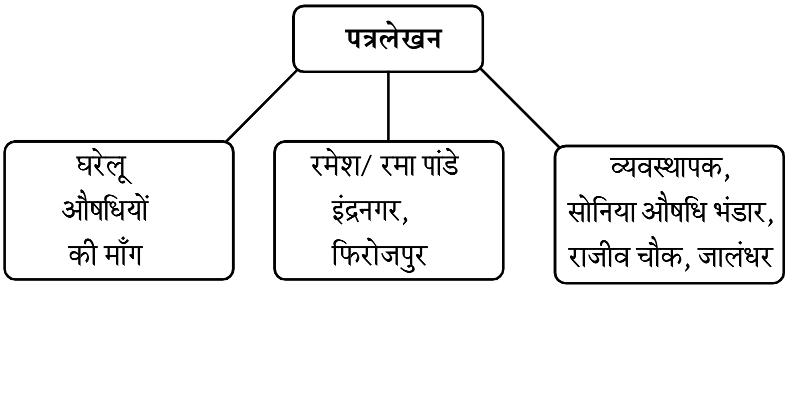

2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए । **4**

My intention is to help the poor.

His intention is to deceive everybody.

You had better take care of your health.

Unless they work hard, they can't pass

3) निम्नलिखित प्रसंग पर लगभग 60 से 80 शब्दों में अपने विचार लिखिए । **4**

एक शाम मैं परिवार जनों के साथ रिश्तेदादारों की शादी में गया था । वहाँ सारे मेहमान बड़े चाव से खाने - पीने की चींजों का आस्वाद ले रहे थे। कुछ लोग जितना चाहिए उतना ही खाना लेकर खा रहे थे लेकिन कुछलोग जितना खाना परोसकर ले रहे थे उसे न खाकर वैसा ही छोड़ रहे थे । यह देखकर मेरे मन में विचार आए...

Best Of Luck